5 Rs

INDIA

पाँच रुपये   पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

19 JUL 2004

लोहरदगा

लि0 बिदेशी साहु वो संजय साहु वल्दान स्व0 भैरो साहु साकिन लहेरी मुहल्ला थाना वो जिला लोहरदगा का हूँ आगे मैं अपना खतियानी जमीन जिसका पर्चा नाम से पिता मन मोकिर वगैरह के तैयार हुआ है जिसका खाता न0 268 प्लाट न0 1244 में से रकबा 10 डिसमिल अपना हिस्सा जो खानदानी बटवारा में पिता मन मोकिरान को मिला जो बाद वफात पिता के हिस्सा में मन मोकिरान के चला आता है जिसको दिनांक 19.5.04 ई0 को लगैन देवी पति स्व0 जलसु राम साकिन भौरों थाना भण्डरा जिला लोहरदगा जिसको नक्शा बना कर बिक्री किया जो साथ पटटा के नक्शा संलग्न है जिसका दस्तावेज न0 .... है परन्तु मन मोकिरान के आपसी खानदानी मतभेद के कारण उक्त नक्शे के अनुसार मोकिर अलैह को दखल नही दे पाये इसके एवज में खानदानी आपसी तसफीया के मोताबिक पूर्व के नक्शे से जानिब पुरब 3 डिसमिल बाद करने के बाद नये सिरे से नापी करा कर नक्शा बनवा कर मोकिर अलैह को नक्शे के मोताबिक दखल कब्जा दिये वो चार दिवारी वगैरह बना दिये अब आज के तारीख से इस नक्शे के मोताबिक न ही मन मोकिरान को कोई एतराज है न ही आईन्दे होगा ना ही हिस्सेदारों को इस वास्ते असल पटटा में जो हिस्सेदार गवाही बनाये है इस एग्रीमेन्ट में भी अपना गवाही बना कर अपना सहमति देते है वो नया नक्शा इस एकरारनामा में संलग्न है कोई उजूर नही है न होगा । इस वास्ते अपनी खुशी राजी से आपसी तसफीया का एकरारनामा बना दिया कि समय पर काम आवे ।

तारीख 27 माह जुलाई सन् 2004 ई0

कातिब राजेन्द्र प्रसाद सा0 पावरगंज लोहरदगा । मजमून पढ़ कर सभी फरीकैन को सुना वो समझा दिया कहा ठीक है ।

R. Prasad 27/7/04

राजेन्द्र प्रसाद

1023 970 2000Rs.

Sale of R.H. 27000/-

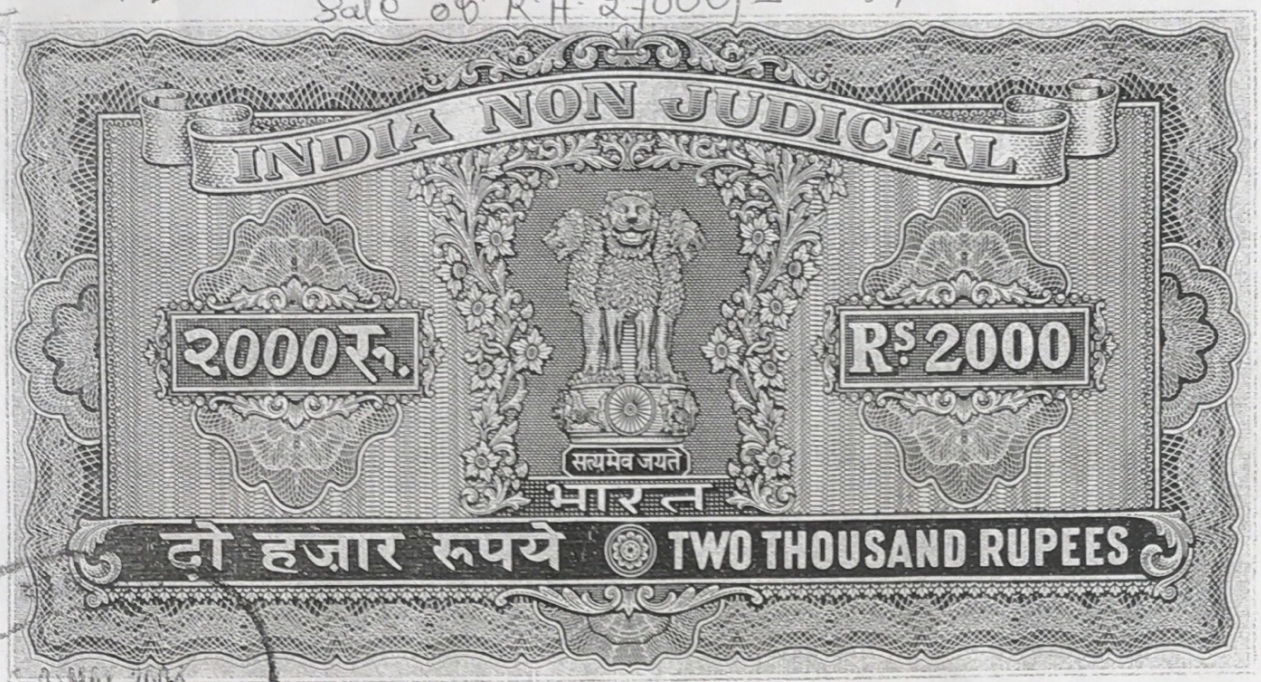

INDIA NON JUDICIAL

२000रु.   Rs 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रूपये   TWO THOUSAND RUPEES

10 MAY 2004

लोहरदगा

9.S.Stp 2270.00
R.D.Stp 1350.00
3620/-

fee paid

A(1) 540.00
N(4) 27.00
567.00

Salami 2.50
p.d. 0.94
3.44
570.44

46(1) P.O.(C)

23

19/5/04

19-5-2004

19.5.2004

1915

नाम मोकिर :– 1. श्री बिदेशी साहू वो 2. श्री संजय साहू वल्दान स्व0 भैरो साहू जात तैलिक वैश्य पेशा गृहस्ती साकिन लहेरी मुहल्ला लोहरदगा थाना वो जिला लोहरदगा झारखण्ड राज्य भारतीय नागरिक ।

नाम मोकिर अलैह : लगैन देवी पति स्व0 जलसू राम जात मोची पेशा गृहस्ती साकिन भौरो थाना भण्डरा जिला लोहरदगा झारखण्ड राज्य भारतीय नागरिक।

19-5-04

NO-001468/04

सि० नं० 270 ता० 19/5/04

नाम लगीन देवी [illegible]

पिता स्व० जलसू राय

ग्रा० भौरो थाना भण्डरा

वास्ते विक्रीपत्र रु 2000/-

विवरण 2000+1[illegible]+500+100+20+ Rs 3620/-

JAWWAD AKHTAR

(S.V. Lohardaga)

19/5/04 [illegible]

विदेशी साहु

19-5-2004

[redacted]

विदेशी साहु

भैरो साहु

लोहरदगा थाना लोहरदगा

खेती

19/5

विदेशी साहु, संजय साहु

[redacted]

[redacted] नन्दकिशोर साहु

ज्योतिष साहु

19/5

विदेशी साहु 19-5-2004

संजय साहु 19-5-2004

नन्दकिशोर साहु

19/5/04

किसीम वसीका :—केवाला बिकी बैला कलामी
(Absolute Sale deed)

तायदाद रूपया :— मो0 ~~27,000/—~~
(सताईस हजार रू0 मात्र)

तफसील जायदाद :— मवाज़ी 10 डी0 (दस डिसमिल) जमीन दोन हकियत रैयती कायमी खाता न0 268 नामें रानी अम्बा दोन सा0 प्लाट न0 1244 में से रकबा 10 डिसमिल जानिब बीच में जिसके उत्तर हिस्सा कोल्हा साहू वगैरह दखिन प्रस्तावित रास्ता 7 फीट पुरब हिस्सा कोल्हा साहू वगैरह पश्चिम गीता देवी वाके मौजा लोहरदगा थाना लोहरदगा थाना न0 194 जिला लोहरदगा डि0 रजिस्टार वो डि0 सब रजिस्टार मोकाम लोहरदगा जिला लोहरदगा जिसका साबिक परचा नाम से भैरो साहू पिता मन मोकिरान वगैरह के तैयार हुआ वो बाद वफात पिता के बजरिये पंचायती बटवारा दिनांक 29.12.2003 के हिस्सा में मन मोकिरान को मिला जो खास हिस्सा मन मोकिरान का है जो हर तरह से पाक वो साफ है अन्दर जमीन्दारी झारखण्ड सरकार द्वारा अंचल अधिकारी लोहरदगा एक फसली असिंचित जिस पर मकान निर्मित नहीं है माल सलाने मो0 50 पैसा मकान बनाने योग्य हल्का न0 2

19.5.2004

500Rs.

<u>जमीन का विवरण</u>

खाता न0	प्लाट न0	रकबा
सा0 268	सा0 1244 में से	10 डी0

जमीन का नाप

उत्तर जानिब पुरब पश्चिम – 51 फीट 3 इंच

दखिन जानिब पुरब पश्चिम – 51 फीट 3 इंच

पुरब जानिब उत्तर दखिन – 85 फीट

पश्चिम जानिब उत्तर दखिन – 83 फीट

ब– मोजिब मैप जो साथ केवाला के नत्थी है जिस पर बिक्री रकबा लाल रंग से दिखलाया गया है ।

घोषित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि खतियान के अनुसार सरकारी नही है और ना सरकार के द्वारा अधिग्रहण ही किया गया है घोषित करते है कि प्रसांगिक भूमि भूदान , भू हदबन्दी, लीज तथा भू बन्दोबस्ती की नही है यह भूमि खनन एंव वन सीमा से बाहर है तथा घोषित किया जाता है कि यह भूमि मठ ,मन्दिर, गिरजा,मस्जिद, सरना तथा गुरूद्वारा का नही है स्पष्ट किया जाता है कि प्रसांगिक भूमि की बिक्री पूर्व में नही की गई है यह भी घोषित किया जाता है कि यह जमीन आदिवासी खाता की जमीन नही है।

100 Rs.

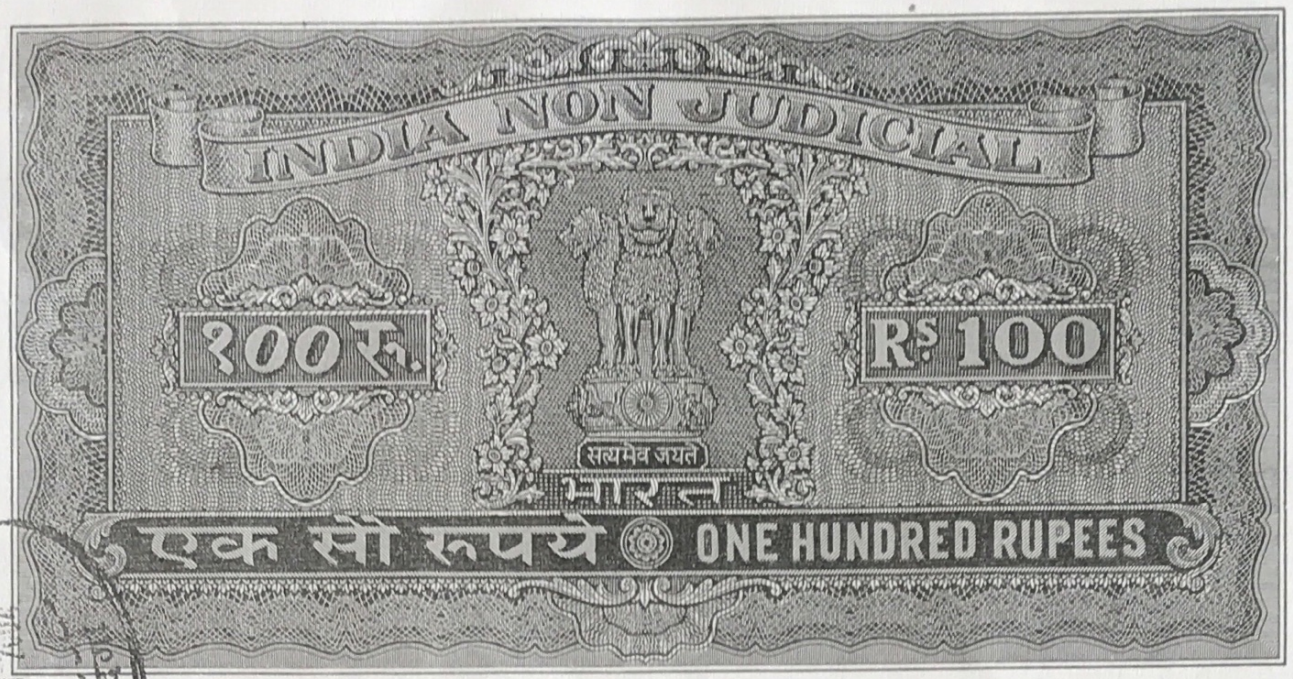

आगे मन मोकिर ,मोकिर अलैह मजकूर से 27,000/— **सताईस हजार** रूपया नगद लेकर जमीन मजकुरे वाला को बिक्री लिख दिया वो दखलकार किया वो चाहिए के मुस्तरी मौसुफ मैय उनके वारिसान जमीन मजकुर पर दखलकार हो कर वो रह कर प्लाट मजकुर पर कच्चा पक्का मकान बनावें चहारदिवारी दें या कुंआ खोदावें या जैसा पसन्द हो करें अब आज के तारीख से किसी किसीम वे हक वो दावा वास्ता या सरोकार कुछ बाकी नहीं रहा ना होगा वो जिस कदर हक हकूक उपर सै मोबईया मजकुर के मन मोकिर का था या होता वह सब कुल हक हकुक आज के रोज से बजिन्सहू मुस्तरी मौसुफ मैय उनके वारिसान का हुआ वो होगा वो सै मोबईया मजकुर का दाखिल खोरिज वगैरह करा के माल सलाने जमीन्दार मौजा मजकुर को

19-5-2004

19-5-2004

बीस रुपये

२० रु. सत्यमेव जयते भारत INDIA 20 RS.

TWENTY RUPEES

देकर साल ब साल अदाय कर खास अपने नाम से रसीद हासिल कर लिया करें ।इस वास्ते अपने खुशी से कुल रूपया नगद ले कर केवाला बैला कलामी लिख दिया के वक्त पर काम आवे।

आज तारीख 19 माह अप्रील 2004 ई0

ड्राफटेड दिलीप कुमार सिंह अधिवक्ता लोहरदगा मजमून पढ कर मोकिर को सुना वो समझा दिया ।
प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज वो द्वितीय प्रति दोनों एक दुसरे के हु–ब–हू सच्ची प्रतिलिपि है ।

दिलीप कुमार सिंह
अधिवक्ता